Department Of Public Administration

Mohan Lal Sukhadia University, Udaipur

Paper- ***M4PAD- A1 -ET-21*** - Financial administration

Unit-II

Topic-Budget—Meaning and Principles

By Dr. Giriraj Singh Chauhan

(For students' reference only)

बजट अर्थ एवं सिद्धांत*

बजट' शब्द फ्रांसीसी भाषा के शब्द 'बूजट* (Bougette) से लिया गया है, जिसका अर्थ है चमड़े का बैग या थैला। आधुनिक अर्थ में इस शब्द का प्रयोग सबसे पहले इंग्लैण्ड में 1733 ई0 में किया गया जबकि वित्तमंत्रीा ने अपनी वित्तीय योजना को लोकसभा के सम्मुख प्रस्तुत किया तो पहली बार व्यंग के रूप में यह कहा गया कि वित्तमंत्रीा ने अपना 'बजट खोला' तभी से सरकार की वार्षिक आय तथा व्यय के वित्तीय विवरण (Financial) के लिये इस शब्द का प्रयोग होने लगा।

बजट की परिभाषा ; (Definition of Budget)

कुछ लेखकों ने बजट की परिभाषा अनुमानित आमदनियों तथा खर्चों के केवल एक विवरण के रूप में की है। अन्य लेखकों ने बजट शब्द को राजस्व तथा विनियोजन अधिनियमों ;Revenue and Appropriation Act का पर्यायवाची कहा है। Lerory Beaulieu ने लिखा है कि "बजट एक निश्चित अवधि के अन्तर्गत होने वाली अनुमानित प्राप्तियों तथा खर्चों का एक विवरण है, यह एक तुलनात्मक तालिका है जिसमें उगाही जाने वाली आमदनियों तथा किये जाने वाले खर्चों की धनराशियाँ दी हुई होती है; इसके भी अतिरिक्त, यह आय का संग्रह करने तथा खर्च करने के लिये उपयुक्त प्राधिकारियों द्वारा दिया गया एक आदेश अथवा अधिकार हैं"

Rene Stourm ने बजट की परिभाषा इस प्रकार की है कि "यह एक लेख–पत्रा है जिसमें सरकारी आय तथा व्यय की एक प्रारम्भिक अनुमोदित योजना दी हुई होती है।" जबकि G.Jeze ने बजट का वर्णन इस प्रकार किया है "यह सम्पूर्ण सरकारी प्राप्तियों ;(Receipts) तथा खर्चों का एक पूर्वानुमान ;(Forecast) तथा ;(Estimate) है, और कुछ प्राप्तियों का संग्रह करने तथा कुछ खर्चों को करने का एक आदेश है। उपरोक्त परिभाषायें कम से कम दो प्रकार से दोषपूर्ण हैं। सर्वप्रथम इनमें यह नहीं कहा गया है कि बजट में विगत संक्रियाओं ;(Operations) वर्तमान दशाओं तथा साथ ही साथ भविष्य के प्रस्तावों से संबंधित तथ्यों का उल्लेख होना चाहियें। दूसरे, इन परिभाषाओं में बजट तथा 'राजस्व व विनियोजन अधिनियमों' के बीच कोई भेद नहीं किया गया है। इन दोनों में भेद किया जाना चाहियें।

बजट तो प्रशासन के कार्य का प्रतिनिधित्व करता है और राजस्व व नियोजन अधिनियम व्यवस्थापिका अथवा विधान–मण्डल में कार्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं। बजट में, एकीकृत तथा व्यापक रूप में, उन सभी तथ्यों का समावेश किया जाना चाहिये, जोकि सरकार के विगत तथा भावी व्यय और राजकोष ;(Treasury) की आय तथा वित्तीय स्थिति से ;(Budget Process) संबंध रखते हों। **डब्ल्यू0 एफ0 विलोबी** के अनुसार, "बजट सरकार की आमदनियों तथा खर्चों का केवल अनुमान मात्रा ही नहीं है, बल्कि इससे कुछ अधिक हैं। वह (बजट) एक ही साथ रिपोर्ट, अनुमान तथा प्रस्ताव है अथवा उसे ऐसा होना चाहिये। यह एक ऐसा लेखपत्रा (Document) है, अथवा होना चाहिए जिसके द्वारा मुख्य कार्यपालिका धन प्राप्त करने वाली तथा व्यय की स्वीकृति देने वाली सत्ता के समक्ष इस बात का प्रतिवेदन करती है कि उसने और उसके अधीनस्थ कर्मचारियों ने गत वर्ष प्रशासन का संचालन किस प्रकार किया; लोक कोषागार की वर्तमान स्थिति क्या है? और इन सूचनाओं के आधार पर वह आगामी वर्ष के लिए अपने कार्यक्रम की घोषणा संकेत करता है जिसके द्वारा कि एक सरकारी अभिकरण की वित्तीय नीति का निर्माण किया जाता है और यह बतलाती है कि उस कार्यक्रम के निष्पादन के लिए धन की व्यवस्था किस प्रकार की जाएगी।" इस प्रकार, बजट वित्तीय कार्यों की एक योजना है। एक अन्य विद्वान ने बजट–पद्धति का वर्णन इस प्रकार किया है कि "बजट–पद्धति एक ऐसी व्यवस्थित रीति है

जिसके द्वारा भूत (Past) तथा वर्तमान से सूचनायें एकत्रा की जाती हैं और तदनन्तर यह प्रतिवेदन किया जाता है कि वे योजनायें किस प्रकार क्रियान्वित की गई।

बजट के महत्त्वपूर्ण सिद्धांत हैंः –प्रचार, स्पष्टता, व्यापकता, एकता, नियतकालीन, परिशुद्धता और सत्य शीलता। अब हम बजट के इन महत्त्वपूर्ण सिद्धान्तों की क्रमशः विवेचना करते हैं

1 प्रचार ; सरकार के बजट की अनेक चरणों में गुजरना होता है। उदाहरण के लिये, कार्यपालिका द्वारा व्यवस्थापिका के समक्ष बजट की सिफारिश, व्यवस्थापिका उस पर विचार तथा बजट का प्रकाशन व क्रियान्वयन। इन विभिन्न चरणों के द्वारा बजट को सार्वजनिक बना देना चाहिए। बजट पर विचार करने के लिए व्यवस्थापिका (Legislature) के गुप्त अधिवेशन नहीं होने चाहिए। बजट का प्रचार होना अत्यन्त आवश्यक है जिससे कि देश की जनता तथा समाचार पत्रा विभिन्न करों तथा व्यय की विभिन्न योजनाओं के संबंध में अपने विचार प्रकट कर सकें।

2 स्पष्टता (Clarity) बजट का ढांचा इस प्रकार तैयार किया जाना चाहिए कि यह सरलता वे सुगमता से समझ में आ जाए

3 व्यापकता (Comprehensiveness) सरकार के सम्पूर्ण राजकोषी; (Fiscal) कार्यक्रमों का सारांश बजट में आना चाहिए। बजट द्वारा सरकार की आमदनियों एवं खर्चों का पूर्ण चित्रा प्रस्तुत किया जाना चाहिए। इसमें यह बात स्पष्ट की जानी चाहियें कि सरकार द्वारा क्या कोई नया ऋण अथवा उधार लिया जाना है। सरकार की प्राप्तियों तथा विनियोजनाओं का ब्यौरे वाले स्पष्टीकरण होना चाहिए। बजट ऐसा होना चाहिए जिसके द्वारा कोई भी व्यक्ति सरकार की संपूर्ण आर्थिक स्थिति का ज्ञान प्राप्त कर सके।

4 एकता ;(Unity) सम्पूर्ण खर्चों की वित्तीय व्यवस्था के लिये सरकार को सभी प्राप्तियों (Receipts) को एक सामान्य निधि ;(Fund) में एकत्रीकरण कर लिया जाना चाहिए।

5 नियतकालीनता ;(Periodicity) सरकार को विनियोजन तथा खर्च करने का प्राधिकार एक निश्चित अवधि के लिए ही दिया जाना चाहिए। यदि उस अवधि में धन का उपयोग न किया जाये तो वह प्राधिकार समाप्त हो जाना चाहिये अथवा उसका

पुनर्विनियोजन ;(appropriation) होना चाहिए। सामान्यः बजट अनुमान वार्षिक आधार पर दिये जाते हैं। व्यवस्थापिका को, उस अवधि की सम्पूर्ण आवश्यकताओं को, जिसमें कि व्यय किये जाने हैं, दृष्टिगत रखकर उस अवधि से पूर्व ही बजट पारित करना चाहिए। उदाहरण के लिये, यदि वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल से प्रारम्भ होता है तो सुविधाजनक यह होगा कि व्यवस्थापिका अथवा विधानमण्डल 1 अप्रैल से पूर्व ही खर्चों की अनुमति दे दें।

6 परिशुद्धता Accuracy: किसी भी बजट के अच्छे होने के लिए परिशुद्धता तथा विश्वसनीयता अत्यंत महत्वपूर्ण है। सारी सूचनाएं स्पष्ट एवं सत्य होनी चाहिए।

7 सत्यशीलता (Integrity) - इसका अर्थ है कि राजकोषीय कार्यक्रमों का क्रियान्वयन ठीक उसी प्रकार होना चाहिए जिस प्रकार बजट में उसकी व्यवस्था की गई हो. यदि बजट इस प्रकार क्रियान्वित नहीं किया जाता जिस रूप में उसे विधायका से पारित किया गया था तो बजट का कोई औचित्य नहीं रह जाता।